

जल नकियाँ की पहली गणना

हाल ही में [जल शक्ति मंत्रालय](#) ने देश के जल संसाधनों के वषिय में महत्त्वपूर्ण अंतरदृष्टि प्रदान करते हुए **जल नकियाँ की पहली गणना** रपौट जारी की।

- यह गणना भारत में **जल स्रोतों की एक व्यापक सूची** प्रदान करती है, जो **ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच असमानताओं तथा अतकिरण के** वभिन्न स्रोतों को उजागर करती है।

जल नकियाँ की गणना:

■ परिचय:

- जल नकियाँ की गणना **वर्ष 2017-18 के लिये छठी लघु सचिई संगणना** के संयोजन में की गई थी।
- यह एक जल नकिया को “**सचिई या अन्य प्रयोजनों हेतु जल के भंडारण के लिये उपयोग किये जाने वाले चारों ओर से चनिईयुक्त अथवा बनिा चनिई वाले प्राकृतिक या मानव नरिमति इकाइयों के रूप में**” परिभाषित करता है।
- इस गणना का उद्देश्य भारत के जल संसाधनों की एक सूची प्रदान करना है, जिसमें प्राकृतिक और मानव नरिमति जल नकिया जैसे तालाब, टैंक, झील तथा बहुत कुछ शामिल हैं, और जल नकियाँ के अतकिरण पर डेटा एकत्र करना है।

■ गणना के प्रमुख नषिकर्ष:

- गणना में देश भर में कुल 24,24,540 जल नकियाँ की गणना की गई, जिसमें पश्चिमिबंगाल **सबसे अधिक (7.47 लाख) और सकिक्मि सबसे कम (134) है।**
- रपौट से पता चलता है कि:
 - **पश्चिमि बंगाल में सबसे अधिक तालाब और जलाशय हैं।**
 - पश्चिमि बंगाल में जल नकियाँ के मामले में शीर्ष ज़िला दक्षिण 24 परगना है।
 - **आंध्र प्रदेश में सबसे अधिक टैंक हैं।**
 - **तमलिनाडु में सबसे अधिक झीलें हैं।**
 - **महाराष्ट्र जल संरक्षण योजनाओं में अव्वल है।**
- रपौट में बताया गया है कि 97.1 प्रतिशत जल नकिया ग्रामीण क्षेत्रों में हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में केवल 2.9 प्रतिशत हैं।
- अधिकांश जल नकिया **तालाब हैं, इसके बाद टैंक, जलाशय, जल संरक्षण योजनाएँ, लीकेज टैंक, चेक डैम, झीलें और अन्य हैं।**

WATERBODY COUNT

STATES WITH MOST WATERBODIES

State	No. of waterbodies
West Bengal	7,47,480
Uttar Pradesh	2,45,087
Andhra Pradesh	1,90,777
Odisha	1,81,837
Assam	1,72,492
Jharkhand	1,07,598
Tamil Nadu	1,06,957

STATES/UTs WITH LEAST WATERBODIES

Sikkim	134
Chandigarh	188
Delhi	893
Arunachal Pradesh	993

WATERBODIES LOST TO ENCROACHMENTS

Uttar Pradesh	15,301
Tamil Nadu	8,366
Andhra Pradesh	3,920



No encroachment on waterbodies was reported from West Bengal, Sikkim, Arunachal Pradesh and Chandigarh Source: Waterbody census

■ जलाशयों का अतिक्रमण:

- गणना ने पहली बार जल नकियों के अतिक्रमण पर डेटा एकत्र किया, जिससे पता चला कि सभी गणना किये गए जल नकियों में से 1.6 प्रतिशत पर अतिक्रमण किया गया है, जिसमें 95.4 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में और शेष 4.6 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में हैं।
 - अतिक्रमणों का एक महत्वपूर्ण प्रतिशत जलाशय के 75% से अधिक क्षेत्र को कवर करता है।

■ महत्व:

- गणना नीति निर्माताओं को जल संसाधन प्रबंधन और संरक्षण के बारे में सूचि निर्णय लेने के लिये महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करती है।
- यह ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच असमानताओं और अतिक्रमण को रोकने के लिये प्रभावी उपायों की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।
- गणना में एकत्र किया गया डेटा भारत के जल संसाधनों के भविष्य के आकलन के लिये आधार रेखा के रूप में काम कर सकता है, जो स्थायी जल प्रबंधन की दृष्टि में परिवर्तन और प्रगति की नगिरानी में मदद करता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

